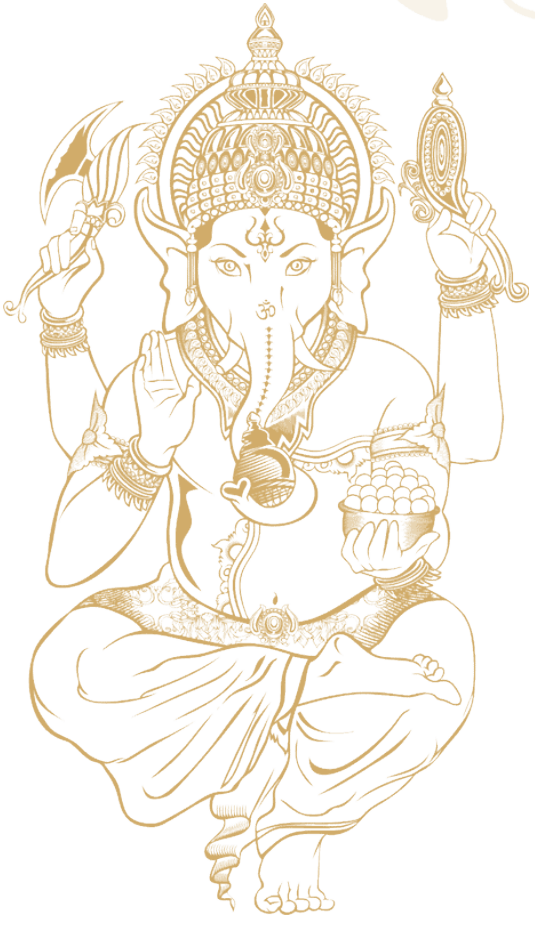

KASHIM SHAIKH

01 Jan 1990

11:30 PM

Gulbarga

Model: web-freekundliweb

Order No: 121802604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/1990**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	41:32:41 घटी
स्थान	**Gulbarga**
राज्य	Karnataka
देश	India

अक्षांश	17:20:00 उत्तर
रेखांश	76:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:07:20 घंटे
वेलान्तर	-00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	05:51:49 घंटे
सूर्योदय	06:52:55 घंटे
सूर्यास्त	17:59:25 घंटे
दिनमान	11:06:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:20:54 धनु
लग्न के अंश	04:19:13 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:19:13	346:31:25	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			धनु	17:20:54	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	12:55:15	13:31:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			वृश्चि	16:27:19	00:42:14	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध	व		मक	01:52:20	00:20:39	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	11:23:40	00:08:04	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र	व		मक	12:28:02	00:08:27	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
शनि		अ	धनु	21:57:59	00:07:06	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
राहु			मक	23:09:15	00:01:34	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
केतु			कर्क	23:09:15	00:01:34	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	12:04:47	00:03:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:19:37	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	23:22:45	00:01:38	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	04:24:25	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:14

लग्न-चलित

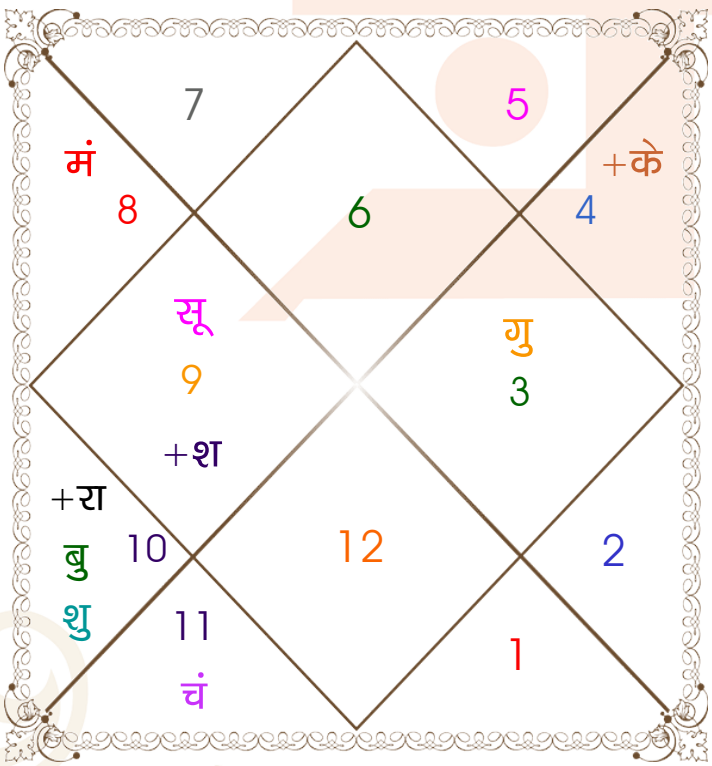

चन्द्र कुंडली

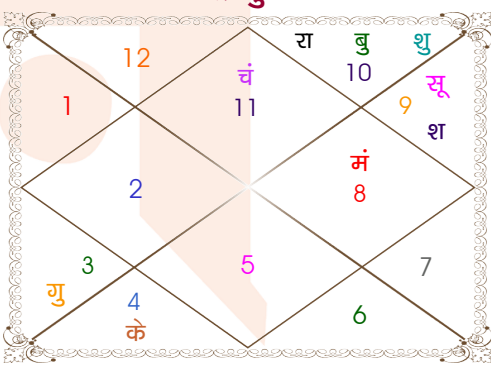

नवमांश कुंडली

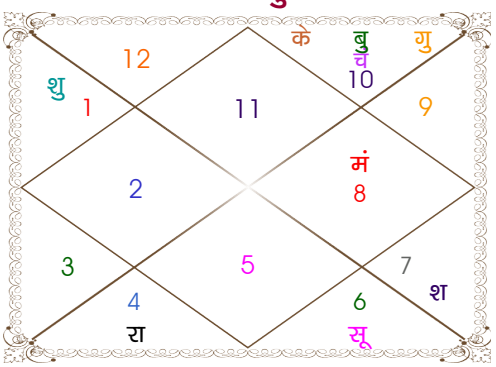

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 6 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/01/1990		24/07/1999		24/07/2015		24/07/2034		24/07/2051	
24/07/1999		24/07/2015		24/07/2034		24/07/2051		24/07/2058	
	00/00/0000	गुरु	10/09/2001	शनि	27/07/2018	बुध	20/12/2036	केतु	20/12/2051
	00/00/0000	शनि	24/03/2004	बुध	05/04/2021	केतु	17/12/2037	शुक्र	18/02/2053
	01/01/1990	बुध	30/06/2006	केतु	15/05/2022	शुक्र	17/10/2040	सूर्य	26/06/2053
बुध	23/01/1992	केतु	05/06/2007	शुक्र	15/07/2025	सूर्य	23/08/2041	चंद्र	25/01/2054
केतु	09/02/1993	शुक्र	03/02/2010	सूर्य	27/06/2026	चंद्र	23/01/2043	मंगल	23/06/2054
शुक्र	10/02/1996	सूर्य	23/11/2010	चंद्र	26/01/2028	मंगल	20/01/2044	राहु	12/07/2055
सूर्य	04/01/1997	चंद्र	24/03/2012	मंगल	06/03/2029	राहु	08/08/2046	गुरु	17/06/2056
चंद्र	06/07/1998	मंगल	28/02/2013	राहु	11/01/2032	गुरु	13/11/2048	शनि	27/07/2057
मंगल	24/07/1999	राहु	24/07/2015	गुरु	24/07/2034	शनि	24/07/2051	बुध	24/07/2058

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/07/2058		24/07/2078		23/07/2084		24/07/2094		25/07/2101	
24/07/2078		23/07/2084		24/07/2094		25/07/2101		00/00/0000	
शुक्र	22/11/2061	सूर्य	10/11/2078	चंद्र	24/05/2085	मंगल	20/12/2094	राहु	06/04/2104
सूर्य	23/11/2062	चंद्र	12/05/2079	मंगल	23/12/2085	राहु	08/01/2096	गुरु	30/08/2106
चंद्र	23/07/2064	मंगल	17/09/2079	राहु	24/06/2087	गुरु	13/12/2096	शनि	06/07/2109
मंगल	23/09/2065	राहु	11/08/2080	गुरु	23/10/2088	शनि	22/01/2098	बुध	02/01/2110
राहु	22/09/2068	गुरु	30/05/2081	शनि	24/05/2090	बुध	19/01/2099		00/00/0000
गुरु	24/05/2071	शनि	12/05/2082	बुध	23/10/2091	केतु	18/06/2099		00/00/0000
शनि	24/07/2074	बुध	18/03/2083	केतु	24/05/2092	शुक्र	18/08/2100		00/00/0000
बुध	24/05/2077	केतु	24/07/2083	शुक्र	22/01/2094	सूर्य	24/12/2100		00/00/0000
केतु	24/07/2078	शुक्र	23/07/2084	सूर्य	24/07/2094	चंद्र	25/07/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।